झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

(Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi)

PROJECT RAIL

(REGULAR ASSESSMENT FOR IMPROVED LEARNING)

(GENERAL SCHOOL)

Subject – हिंदी (कोर) Class -12

Time – 1 Hr. F.M- 20

ANSWER KEY

1. (ग) ओम थानवी

2. (ख) यात्रा वृत्तांत

3. (ख) सिंधु नदी

4. (ग) मृतकों का टीला

5. (ख) 200 हेक्टेयर

6. (ग) पुरातत्ववेत्ता

7. मुअनजो-दड़ो से निकली पंजीकृत वस्तुओं की संख्या 50000 है| मुख्य चीज गेहूं तांबे और कांसे के बर्तन, मुहर, वाद्य यंत्र, चाक पर बने बड़े-बड़े मिट्टी के मटके, चौपड़ की गोटियाँ, दीये, मांपतौल के पत्थर, मिट्टी की बैलगाड़ी, दो पाटों वाली चक्की, मिट्टी के कंगन मनको वाले पत्थर के हार हैं|

8. बिना आहट के आना

9. सूती कपड़ों का प्राप्त होना

04-11-2025

10. एक अच्छे आलेख के गुण :-

1. एक अच्छा आलेख नवीनता और ताजगी से भरा होता है|
2. उसमें जिज्ञासा उत्पन्न करने की शक्ति होती है|
3. विचार स्पष्ट होते हैं|
4. भाषा अत्यंत सरल सुगम तथा प्रभावी होती है|
5. विचारों की पुनरावृत्ति नहीं होती|

11. सिंधु सभ्यता के शहर मुअनजो-दड़ो की व्यवस्था साधन संपन्न और सुनियोजित थी मकान छोटे और सुंदर थे| लोग बैलगाड़ी का प्रयोग करते थे| घरों एवं बर्तनों में चित्रकारी करते थे| मकान ग्रिड शैली पर बने थे| यहां छोटे-छोटे औजार तो मिले हैं पर हथियार नहीं| बड़े-बड़े मंदिर और महल नहीं मिले हैं| अतः इन सभी बातों से पता चलता है कि सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी पर उसमें दिखावा नहीं था|

12 क्योंकि सिंधु घाटी सभ्यता में नदी, कुएं, स्नानागार व बेजोड़ निकासी व्यवस्था थी| यह सभ्यता नदी के किनारे बसी है| मुअनजो-दड़ो के निकट सिंधु नदी है यहां लगभग 700 कुएं मिले हैं| यहां कुंड भी थे जिनमें कुएं से पानी आता था| एक पंक्ति में 8 स्नानागार थे| सड़क के दोनों तरफ नालियां बनी हुई थी जो पक्की ईंटों से ढके हुए थे|

04-11-2025